प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2019-20

हिंदी (आधार) (कोड-302)

कक्षा - XII

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं - क, ख, ग।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- चार अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।
- पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

	खंड - क	16
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	12
	सिने जगत के अनेक नायक-नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिन्दी के माध्यम से पहचान मिली है। यही कारण है कि गैर- हिन्दी भाषी कलाकार भी हिन्दी की ओर आए हैं। समय और समाज के उभरते सच को परदे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेज़ी के आग्रही हों, लेकिन बुनियादी और ज़मीनी हकीकत यही है कि इनकी पूँजी, इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिन्दी ही है। लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे फ़िल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं। 'छोटा परदा' ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया, तो लगा हिन्दी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई। हमारे आद्यग्रंथों, रामायण और महाभारत को जब हिन्दी में प्रस्तुत किया गया, तो सडकों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया। 'बुनियाद' और 'हम लोग' से शुरू हुआ सोप ऑपेरा का दौर हो या सास-बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिन्दी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, पर सदी के महानायक की हिन्दी	

	हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन गई। सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम जैसे गैर-हिन्दी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिन्दी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई। ज्ञान गंभीर 'डिस्कवरी' चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला 'टाम ऐंड जेरी' - इनकी हिन्दी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान-विज्ञान - सभी कार्यक्रम हिन्दी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं।	
(1)	गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ?	1
(2)	गैर-हिन्दी भाषी कलाकारों के हिन्दी सिनेमा में आने का कोई एक कारण लिखिए।	1
(3)	'छोटा परदा' से क्या तात्पर्य है ? इसका आम जन-जीवन की भाषा पर क्या प्रभाव पड़ा?	2
(4)	कुछ बहुप्रचलित और लोकप्रिय धारावाहिकों के उल्लेख से लेखक क्या सिद्ध करना चाहता है ?	2
(5)	'सदी का महानायक' से लेखक का संकेत किस फिल्मी सितारे की ओर है और लोगों पर इनका क्या असर हुआ ?	2
(6)	फ़िल्म और टी वी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में क्या भूमिका निभाई है ? संक्षेप में लिखिए।	2
(7)	'उच्चारण' और 'भारतीय' शब्दों में निहित उपसर्ग और प्रत्यय को छाँटकर लिखिए।	2
2.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	1×4=4
	मेरे पाँव बहुत छोटे हैं धरती बहुत बड़ी है माँ ! मेरी उँगली थामे मेरे बिलकुल पास खड़ी रह माँ ! तेरा नेह कवच-कुंडल है, तेरा परस ढाल मेरी , ऐसी थकन थका हूँ अबकी थकने लगी चाल मेरी, अंध कूप में उतर रहा हूँ कैसी विकट घड़ी है माँ ! मेरी उँगली थामे मेरे बिलकुल पास खड़ी रह माँ ! जब भी चाहा सुख से जी लूँ दु:ख ने आकर घेर लिया, जितना अधिक सहा उतना ही नाम तुम्हारा टेर लिया, मरुस्थलों के तपते पथ में तू ही मेघ-झड़ी है माँ ! मेरी उँगली थामे मेरे बिलकुल पास खड़ी रह माँ ! राहें जिसकी मंज़िल होंगी उसको तो चलना ही होगा,	

	जो वसंत का अधिकारी है उसको तो जलना ही होगा। ऋतु-चक्रों की हर वेला में तू ही पुष्प-लड़ी है माँ ! मेरी उँगली थामें बिलकुल पास खड़ी रह माँ !	
(1)	माँ के स्नेह को कवच कुंडल क्यों कहा गया है ?	1
(2)	विषम परिस्थितियों में माँ ही क्यों याद आती है ?	1
(3)	"मरुस्थलों के तपते पथ में तू ही मेघ-झड़ी है माँ !"- पंक्ति का भाव लिखिए।	1
(4)	उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए, जिनका भाव है–जीवन में विविध अनुभवों के बीच माँ का साथ फूलों जैसा सुहाना होता है।	1
	अथवा	
	मिट्टी तन है, मिट्टी मन है, मिट्टी दाना-पानी है। मिट्टी ही तन-बदन हमारा, सो सब ठीक कहानी है। पर जो उलटा समझ इसे ही बने आप ही ज्ञानी है। मिट्टी करता है जीवन को जो और बड़ा अज्ञानी है। समझ सदा अपना तन मिट्टी, मिट्टी जो कि रमाता है। मिट्टी करके सरबस अपना मिट्टी में मिल जाता है, जगत है सच्चा तनिक न कच्चा समझो बच्चा इसका भेद। खाओ-पीओ कर्म करो नित, कभी न लाओ मन में खेद। रचा उसी ने है यह जग तो निश्चय उसको प्यारा है। इसमें दोष लगाना अपने लिए दोष का द्वारा है।	
(1)	कवि ने कैसे ज्ञानियों पर कटाक्ष किया है ?	1
(2)	जीवन को मिट्टी करने से कवि का क्या आशय है ?	1
(3)	कवि संसार को सच्चा मानकर क्या संदेश देना चाहता है ?	1
(4)	यह संसार भगवान को प्रिय क्यों है ?	1
	खंड - ख	20
3.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -**	5
	क) काश ! मैं उड़ पाता ख) जहाँ न पहुँचे रवि वहाँ पहुँचे कवि ग) चाँदनी रात और मैं	
4.	आपके क्षेत्र में एक सड़क को चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से अधिक पेड़ काटे गए हैं। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए वन और पर्यावरण विभाग को लगभग 80-	5

	100 शब्दों में पत्र लिखिए ।	
	अथवा	
	किसी प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को गाँवों में चिकित्सा-सुविधाओं के अभाव का उल्लेख करते हुए एक विशेष चिकित्सा-सुविधाओं वाला अस्पताल खोलने का सुझाव प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए।	
5.	**निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 15-20 शब्दों में लिखिए -**	1×5=5
क)	'पेज थ्री' पत्रकारिता का क्या तात्पर्य है ?	1
ख)	'फ्लैश' या 'ब्रेकिंग न्यूज़' किसे कहते हैं ?	1
ग)	संपादक के दो प्रमुख उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए ?	1
घ)	अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं ?	1
ङ)	हिंदी के किन्हीं दो समाचार पत्रों का नाम लिखिए।	1
6.	कहानी का नाट्य- रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए? लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए।	5
	अथवा	
	'फिल्मों में बढ़ती हिंसा' विषय पर 80-100 शब्दों में एक **आलेख** लिखिए ?	
	अथवा	
	'बाल श्रमिक' विषय पर 80-100 शब्दों में एक **फीचर** लिखिए।	
	खंड-ग	44
7.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए -**	2×3=6
	सोचिए बताइए आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है कैसा यानी कैसा लगता है (हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा?) सोचिए बताइए थोड़ी कोशिश करिए (यह अवसर खो देंगे?)	

	आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे इंतज़ार करते हैं आप भी उसके साथ रो पड़ने का करते हैं ?	
क)	ये पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं और इसके कवि कौन हैं ?	2
ख)	संवाददाता अपाहिज से कौन-कौन-से प्रश्न पूछेगा ?	2
ग)	कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए संवाददाता क्या कार्य करता है ?	2
	अथवा	
	तव प्रताप उर राखि प्रभु जैहउँ नाथ तुरंत । अस कहि आयसु पाइ पद बंदी चलेउ हनुमंत ।। भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार । मन महुँ जात सराहत पुनि-पुनि पवनकुमार ।।	
क)	इस काव्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।	2
ख)	हनुमान ने संजीवनी बूटी लाने के विषय में राम से क्या कहा ?	2
ग)	हनुमान भरत के किन गुणों से प्रभावित हुए ?	2
8.	**निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए -**	2×2=4
	आँगन में ठुनक रहा है ज़िद्याया है बालक तो है चाँद पै ललचाया है दर्पण उसे दे के कह रही है माँ देख आईने में चाँद उतर आया है ।	
क)	काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।	2
ख)	प्रस्तुत काव्यांश की शिल्प संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए ।	2
	अथवा	
	नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो ! और...... जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है ।	
क)	काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।	2

ख)	प्रस्तुत काव्यांश की शिल्प संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए ।	2
9.	**निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए -**	3×2=6
क)	'बात सीधी थी' कविता के आधार पर 'भाषा को सहूलियत' से बरतने के अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए ।	3
ख)	'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर खेत और कागज़ के पन्ने की समानता के तीन बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।	3
ग)	कवि आलोक धन्वा ने अपनी कविता पतंग में बच्चे के मन की तुलना कपास से क्यों की है ?	3
10.	**निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए -**	2×3=6
	भक्तिन के संस्कार ऐसे हैं कि वह कारागार से वैसे ही डरती है, जैसे यमलोक से । ऊँची दीवार देखते ही, वह आँख मूंदकर बेहोश हो जाना चाहती है । उसकी यह कमज़ोरी इतनी प्रसिद्धि पा चुकी है कि लोग मेरे जेल जाने की संभावना बता-बताकर उसे चिढ़ाते रहते हैं । वह डरती नहीं, यह कहना असत्य होगा; पर डर से भी अधिक महत्व मेरे साथ का ठहरता है । चुपचाप मुझसे पूछने लगती है कि वह अपनी क्या धोती साबुन से साफ कर ले, जिससे मुझे वहाँ उसके लिए लज्जित न होना पड़े । क्या-क्या सामान बाँध ले, जिससे मुझे वहाँ किसी प्रकार की असुविधा न हो सके । ऐसी यात्रा में किसी को किसी के साथ जाने का अधिकार नहीं, यह आश्वासन भक्तिन के लिए कोई मूल्य नहीं रखता । वह मेरे न जाने की कल्पना से इतनी प्रसन्न नहीं होती, जितनी अपने साथ न जा सकने की संभावना से अपमानित । भला ऐसा अंधेर हो सकता है । जहाँ मालिक वहाँ नौकर मालिक को ले जाकर बंद कर देने में इतना अन्याय नहीं, पर नौकर को अकेले मुफ्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय है । ऐसा अन्याय होने पर भक्तिन को बड़े लाट तक लड़ना पड़ेगा । किसी की माई यदि बड़े लाट तक नहीं लड़ी, तो नहीं लड़ी; पर भक्तिन का तो बिना लड़े काम ही नहीं चल सकता ।	
क)	भक्तिन की कौन सी कमजोरी प्रसिद्धि पा चुकी थी ?	2
ख)	गद्यांश के आधार पर भक्तिन के व्यक्तित्व की किन्हीं दो	2

	विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ?	
ग)	किस बात को भक्तिन नौकर के साथ अन्याय मानती है ?	2
	अथवा	
	जेब भरी हो और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली, पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ , वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को ज़रूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी को और खुराक ही मिलती है।	
क)	'जादू' किसे कहा गया है और क्यों ?	2
ख)	यह जादू कब और किन स्थितियों में असर करता है ?	2
ग)	जादू का असर समाप्त होने पर ग्राहक की दशा कैसी हो जाती है? उसे क्या बोध होता है ?	2
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लिखिए -**	
क)	'काले मेघा पानी दे' पाठ की 'इंदर सेना' क्या युवाओं को रचनात्मक कार्य करने की प्रेरणा दे सकती है–तर्क सहित उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।	4
ख)	पहलवान लुट्टन सिंह को राजा साहब की कृपा-दृष्टि कब प्राप्त हुई ? वह उन सुविधाओं से वंचित कैसे हो गया ? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।	4
	अथवा	
	'चार्ली की फिल्में भावनाओं पर टिकी हुई हैं, बुद्धि पर नहीं'– 'चार्ली चैप्लिन यानी हम सब' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।	

ग)	शिरीष की किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए जिसके कारण आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ने उसे 'कालजयी अवधूत' कहा है। लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।	2
12.	**निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए -**	4×3=12
(क)	यशोधर बाबू के प्रति बच्चों का व्यवहार उचित था या नहीं ? इस संबंध में आज की युवा पीढ़ी में बदलते जीवन मूल्यों पर अपने विचार लिखिए।	
(ख)	'जूझ' कहानी के शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि यह - शीर्षक कथा नायक की किस चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है ?	
(ग)	'डायरी के पन्ने' के आधार पर औरतों की शिक्षा और उनके मानवाधिकारों के बारे में ऐन फ्रेंक के विचारों को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	
(घ)	'जूझ' कहानी के कथानायक का मन पाठशाला जाने के लिए क्यों तड़पता था ? उसे खेती का काम अच्छा क्यों नहीं लगता था ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।	
(ङ)	'मुअनजोदडो की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी' - कथन के पक्ष में अपने तर्क लिखिए।	

नोट:-

पाठ्यक्रम 2019 - 20 में दिए गए प्रश्न पत्र के प्रारूप तथा प्रतिदर्श प्रश्न पत्र में दिए गए प्रारूप में विभिन्नता होने की स्थिति में, प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2019 - 20 के प्रारूप को ही अंतिम माना जाये।

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 2019-20

हिंदी (आधार) (कोड-302)

कक्षा - XII

अंक योजना

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन-कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही यथासंभव किया जाए।
- प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिंदुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिंदुओं को अनदेखा करें।
- एक ही प्रकार की अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटें जाएं।

क्र.सं.	**संभावित उत्तर संकेत**	**निर्धारित अंक विभाजन**
	खंड - क	
1 (1)	भारतीय सिनेमा एवं हिन्दी (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
(2)	गैर-हिंदी भाषी कलाकारों को हिन्दी माध्यम से ही पहचान, प्रतिष्ठा एवं धन-संपत्ति मिली है।	1
(3)	छोटा परदा यानि टेलीविज़न । इस कारण हिंदी आम भारतीयों के उपयोग की भाषा बन गई ।	2
(4)	हिंदी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं	2
(5)	सदी का महानायक से लेखक का तात्पर्य श्री अमिताभ बच्चन से है। इनकी हिंदी हर दिल की धडकन और हर धडकन की भाषा बन गई।	2
(6)	हिंदी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। हिंदी संप्रेषणीय भाषा है।	2
(7)	उपसर्ग: उत् । प्रत्यय: ईय	2
2. (1)	सुरक्षा की भावना के कारण	1
(2)	माँ की छत्र छाया में वह सुरक्षित महसूस करता है ।	1
(3)	विषम परिस्थितियों में माँ का ही सहारा मिलता है ।	1
(4)	ऋतु-चक्रों की हर वेला में तू ही पुष्प-लड़ी है माँ !	1

	अथवा	
(1)	कवि ने उन ज्ञानियों पर कटाक्ष किया है जो जीवन की सच्चाई को नहीं समझ पाते हैं।	
(2)	जीवन व्यर्थ करना	
(3)	कवि संसार को सच्चा मानकर यह संदेश देना चाहता हैं कि हमें कर्त्तव्य का पालन करना चाहिए।	
(4)	यह संसार भगवान को इसलिए प्रिय है क्योंकि यह संसार उसी ने रचा है।	
	खंड-ख	
3.	दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर रचनात्मक लेखन (शब्द सीमा 120-150 शब्द) विषय वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक कल्पनाशीलता - 1 अंक	5
4.	(शब्द सीमा 80-100 शब्द) आरम्भ एवं अंत की औपचारिकताएँ - 1 अंक विषय वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5
5.क)	अमीरों की पार्टियाँ, फ़िल्मी गप-शप इत्यादि ।	1
ख)	तुरन्त घटी घटना की सूचना देना ।	1
ग)	ख़बरों को ठीक कर छपने लायक बनाना ।	1
घ)	बहुत अल्प समय के लिए किसी समाचार संगठन में कार्यरत ।	1
ड)	किन्हीं दो समाचार पत्रों के नाम।	1
6.	(शब्द सीमा 80-100 शब्द) कहानी से नाटक बनाते हुए संवाद, मूल कथावस्तु, भाषा-शैली, मंच सज्जा, ध्वनि, प्रकाश चरित्र चित्रण, पात्रों की भाव-भंगिमा, दृश्यात्मकता आदि का ध्यान रखना चहिए । **अथवा** **आलेख लेखन** विषय वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक प्रस्तुति - 1 अंक **अथवा** **फीचर लेखन** विषय वस्तु - 3 अंक	5

	भाषा - 1 अंक प्रस्तुति - 1 अंक	
	खंड-ग	
7.	(शब्द सीमा 30-40 शब्द) क) कैमरे में बंद अपाहिज-रघुवीर सहाय ख) आप अपाहिज क्यों हो, आप को अपाहिज होकर कैसा लगता है ग) वह अपाहिज तथा दर्शक दोनों को साथ रुलाना चाहता है । **अथवा** क) लक्ष्मण मूर्छा और राम का विलाप, तुलसीदास ख) आप के प्रताप को हृदय में धारण कर हे! प्रभु में तुरंत चला जाऊँगा । ग) बाहुबल, शील, श्रीराम के प्रति प्रेम ।	2+2+2=6
8.	(शब्द सीमा 30-40 शब्द) क) बाल क्रीडाओं का चित्रण, माँ का वात्सल्य ख) बाल मनोविज्ञान के अनुरूप भाषा, अनुप्रास अलंकार, लोक-भाषा । **अथवा** क) उषाकाल का मानवीकरण । ख) बिम्बात्मक भाषा का प्रयोग, उत्प्रेक्षा अलंकार, मानवीकरण ।	2×2=4
9.	(शब्द सीमा 60-70 शब्द)	3×2=6
क)	• बात को सहज रूप से प्रकट करने के लिए सहज स्वाभाविक भाषा का प्रयोग करना । • सही बात को सही शब्द से जोड़ना । • सीधी और सरल बोलचाल की भाषा प्रयोग से कथ्य प्रभावपूर्ण ।	
ख)	• कागज और खेत दोनों ही रचना / सृजन के आधार । • खेत में जैसे फसल उगती है उसी प्रकार कागज़ पर नई रचना । • कागज पर लिखे क्षण भर के अनुभव जीवन भर के लिए स्थायी हो जाते हैं - जैसे क्षण भर की रोपाई अनंतता की कटाई हो ।	
ग)	निर्मलता, कोमलता, पवित्रता आदि के आधार पर कपास और बच्चे के मन की तुलना की गई है ।	
10.	(शब्द सीमा 60-70 शब्द)	2×3=6
क)	• कारागार का नाम सुनते ही डर जाना • उँची दीवार देखकर बेहोश हो जाना	
ख)	• डरपोक • लेखिका के प्रतिनिष्ठा और प्रेम	
ग)	नौकर को अकेले छोड़ देना ।	

	अथवा	
क)	बाजार के आकर्षण को, क्योंकि बाजार में सामान की चकाचौंध हमें लुभाती है और खरीदने पर विवश करती है।	
ख)	जब जेब भरी हो और मन खाली हो तो सर्वाधिक असर करता है । जब जेब खाली, पर मन भरा न हो तब भी जादू चलता है।	
ग)	जिन चीजों को ग्राहक ने जादू के प्रभाव में आराम बढ़ाने के लिए यो ही खरीद लिया था, वे व्यर्थ प्रतीत होते हैं । आराम में मदद नहीं विघ्न पड़ता है ।	
11.		4+4+2=10
क)	(शब्द सीमा 80-100 शब्द) • लोक आस्था और विज्ञान के द्वंद्व का सुन्दर चित्रण । विज्ञान का अपना तर्क है और आस्था का अपना विश्वास है । • देशभक्ति जगाना एवं भ्रष्टाचार का विरोध करना ।	4
ख)	(शब्द सीमा 80-100 शब्द) • दंगल में चाँद सिंह से कुश्ती के समय । • नए राजकुमार के आने से । **अथवा** • चार्ली की अधिकांश फ़िल्में मूक थीं । इसलिए लोगों को निकट लाने के लिए उन्हें अधिक से अधिक मानवीय होना पड़ा । • चार्ली ने अपनी फिल्मों में सामान्य आदमी को स्थान दिया । • उन्होंने स्नेह, करूणा और मानवीय जीवन मूल्यों को साकार किया ।	4
ग)	(शब्द सीमा 30-40 शब्द) • शिरीष के फूल कालजयी अवधूत के समान मस्त, बेपरवाह, फक्कड़ और अनासक्त जीवन जीने की प्रेरणा देता है ।	2
12.	(शब्द सीमा 80-100 शब्द)	4×3=12
(क)	यशोधर बाबू के प्रति बच्चों का व्यवहार उचित नहीं था । युवा पीढ़ी के घटते मूल्य : • बच्चे बड़ों के प्रति आदर-सम्मान का भाव नहीं रखते । • परम्पराओं एवं संस्कारों का पालन नहीं करते । • मानवीय मूल्यों का निरादर करते हैं । परिवार में बड़ों के प्रति स्नेह, सम्मान और आदर प्रदर्शित करने के विभिन्न तरीके : सटीक उत्तर पर अंक प्रदान करें ।	
(ख)	जूझ शीर्षक का अर्थ है “संघर्ष”- जो कथानायक के जीवन पर भी लागू होता है ।	

(ग)	• ऐन फ्रैंक भावुक पर बुद्धिमान बालिका थी । • फिल्मों की शौक़ीन । • परिश्रमी । • प्रकृति प्रेमी । • नारी के अधिकारों के प्रति सचेत । • चिंतन-मननशील स्वभाव ।	
(घ)	• जूझ का अर्थ है संघर्ष । • कथानक आनंदा ने पाठशाला जाने के लिए संघर्ष किया । • कवि बनने के लिए संघर्ष । • संघर्ष के बल पर कथानायक को अपने उद्देश्य की प्राप्ति ।	
(ङ)	शानदार नगर-नियोजन, जल-प्रणाली, तकनीक प्रयोग के प्रमाण, स्व-अनुशासित आदि ।	